B-IV
L-28
Economy

वित्त बाजार (Financial Market)

वित्त बाजार में धन का लेन-देन किया जाता है यह बाजार देश में बचत, निवेश, पूँजीनिर्माण GDP, रोजगार आदि को बढ़ावा देता है।

भारत में वित्त बाजार की संरचना

- मुद्रा बाजार (Money Market)
  - अल्प काल के लिए धन का लेन-देन।
  - 1 वर्ष के लिए
- पूंजी बाजार (Capital Market)
  - दीर्घ काल के लिए धन का लेन-देन।
  - 1 वर्ष से अधिक के लिए

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

भारत में मुद्रा बाजार की संरचना :-

- संगठित मुद्रा बाजार
  - Call money Market
  - notice Money Market
  - Inter Bank term money market
  - CPs
  - CDs
  - CBLOs
  - Bills
- असंगठित मुद्रा बाजार

Scanned by CamScanner

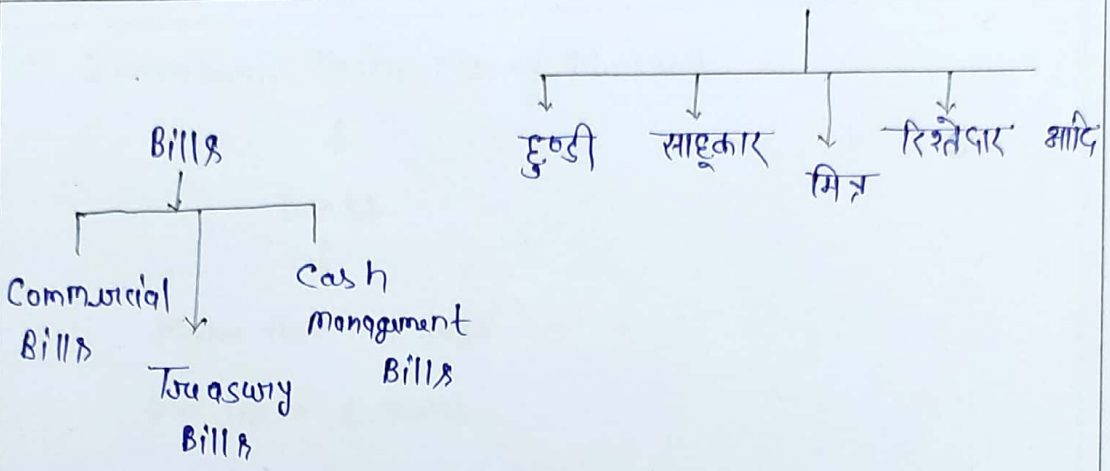

Note :-

1. हुण्डियों के माध्यम से पहले भारत में धन का स्थानांतरण किया जाता था।

इनसे धन/वस्तुओं का लेन-देन भी किया जाता था।

इनमें किसी व्यक्ति को/ग्राहक को किसी विशेष राशी के भुगतान का आग्रह किया जाता था।

2. Call Money Market में बैंकों द्वारा 1 दिन (overnight) के लिए आपस में धन का लेन-देन किया जाता है।

3. Notice Money Market
↓
Banks
↓
More than one day
But upto 14 days.

Scanned by CamScanner

4. Interbank Term Money Market

↓

Banks

↓

More than 14 days

but upto 1 years.

5. Commercial papers (CPs) निम्न के द्वारा निकाला सकते हैं-

(i) अच्छी प्रतिष्ठा वाली कंपनियों

(ii) प्राथमिक डीलर्स

(iii) All India Financial Institute या Development banks

ये unsecured होते हैं और Discount to face value (अंकित मूल्य पर बट्टा) के आधार पर जारी किए जाते हैं।

इनकी अवधि 7 दिन से लेकर एक वर्ष तक [AIF - के मामलों में 3 वर्ष तक] भी हो सकती हैं।

6. Certificates of Deposits (CDs) निम्न के द्वारा जारी किए जा सकते हैं-

Scanned by CamScanner

(i) बैंक

(ii) अखिल भारतीय स्तर के वित्तीय संस्थान [AIFIs]

Time period → 7 days to 1 year

Features → Unsecured and discount to face value.

7. CBLOs [Collateralised Borrowing and Lending-obligations]

↳ बैंकों द्वारा निकाले जाते हैं।

↳ Time period → 1 day to one year

↳ इन्हें 2003 में शुरू किया गया था।

8. Commercial Bills व्यापारियों द्वारा निकाले जाते हैं।

सामान्यतः इनकी अवधि 3 महीने की होती है।

भारत में इसका कम प्रयोग होता है।

9. Treasury Bills रिजर्व बैंक द्वारा भारत सरकार की ओर से निकाले जाते हैं।

राज्य सरकारें इन्हें जारी नहीं कर/करवा सकती हैं। [PT]

Scanned by CamScanner

ये fully secured होते हैं तथा discount पर निकाले जाते हैं।

इस प्रकार ये Zero Coupon Securities होते हैं।

वर्तमान में भारत में निम्न प्रकार के TBs का मुख्य रूप से निर्गमन किया जाता है-

(i) 91 days TBs
(ii) 182 days TBs
(iii) 364 days TBs

10. Cash Management Bills को 2010 में शुरू किया गया।

ये TBs के समान ही होते हैं लेकिन निम्न दो मामलों में ये उनसे अलग होते हैं-

(i) इनकी अवधि 91 days से कम होती है।

(ii) इनकी अवधि को लेकर कोई पूर्व निश्चित मानक नहीं होता है।

(11) भारत में मुद्रा बाजार का निर्गमन RBI द्वारा किया जाता है।

Scanned by CamScanner

Capital Market

- Bonds → Corporate, Govt.
- Debentures (ऋणपत्र)
- Shares (अंशपत्र)
- Long term Loan by Development Banks [FIs]

कंपनियों की पूँजी

Participatory Capital
भागीदारी देने वाली पूँजी
↓
अंश पूँजी (Share Capital)
↓
अंशपत्र (Shares)

- **Equity Shares** (समता अंशपत्र)
  - (i) कोई अधिमान नहीं।
  - (ii) मुनाफों की दर पूर्व निश्चित नहीं
- **Preference Shares** (अधिमान अंशपत्र)
  - (i) मुनाफों के वितरण में अधिमान
  - (ii) मुनाफों की दर पूर्व निश्चित

Non participatory capital
भागीदारी नहीं देने वाली पूँजी
↓
ऋण पूँजी (Debt capital)

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Scanned by CamScanner

(iii) हानि में भागीदारी

(iv) देयता ग्रहण करते हैं

सीमा
Limit
↓
अंकित मूल्य
तक

(v) मताधिकार मिलता है।

(iii) हानि में भागीदारी नहीं।

(iv) देयता ग्रहण नहीं करते।

(v) मताधिकार नहीं।

Unlimited
कोई सीमा
नहीं

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Scanned by CamScanner